Roll No.....

S-2402

M.A (Fourth Semester)

EXAMINATION, 2022-23

SANSKRIT

Paper Third

[साहित्य शास्त्र]

Time : 2.30 Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट– इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं : खण्ड 'अ' तथा 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4 × 5 = 20

1. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'
   निम्न कारिका को समझाइए।
2. ध्वनि शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
3. पण्डितराज जगन्नाथ के जीवन पर प्रकाश डालिए।
4. रस गंगाधर में वर्णित वीर रस को सभेद सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।
5. वाच्य और प्रतीयमानार्थ में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
6. 'शब्दार्थौ यत्र गुणीभावितात्मनौ कमप्यर्थमभिव्यङ्क्तस्तदाधम्'
   निम्न कारिका को समझाइए।
7. स्थायी भावों को सभेद समझाइए।
8. रसगंगाधरकार के अनुसार शृंगार रस को सभेद सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

15 × 04 = 60

9. आचार्य आनन्दवर्धन के ध्वनि सिद्धान्त को विस्तार से समझाइए।
10. स्वच्छाकेसरिणः स्वच्छस्वच्छाया याति तेन्दवः।
    वायन्तां वो मधुरिपोः प्रपन्नार्तिच्छिदो नखाः।।
    निम्न कारिका की व्याख्या कीजिए।
11. पण्डितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य भेदों को सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

12. भाक्तवाद के तीनों विकल्पों का खण्डन लिखिए।

13. काव्यस्थात्मा स एवार्थस्तथा चादिकवेः पुरा।
क्रौंचद्वन्द्व वियोगोत्थः शोकः श्लोकत्वभागतः।।
निम्न कारिका की व्याख्या कीजिए।

14. पण्डितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

15. अविवक्षित वाच्य ध्वनि को सोदाहरण समझाइए।

16. रसगंगाधर में निरूपित आचार्य अभिनवगुप्त के "अभिव्यक्तिवाद सिद्धान्त" को प्रतिपादित कीजिए।